



कुल प्रश्न : 50

समय : 1 घंटा

| पैटर्न तथा अंक योजना |                         |                  |                |
|----------------------|-------------------------|------------------|----------------|
| खंड                  | (1) शब्द और व्याकरण बोध | (2) रचनात्मक बोध | (3) मेधावी खंड |
| प्रश्नों की संख्या   | 35                      | 10               | 5              |
| अंक प्रति प्रश्न     | 1                       | 1                | 3              |



Scan the QR code for more details

**पाठ्यक्रम**

- खंड-1:** भाषा-विचार, वर्ण-विचार, शब्द-विचार, संधि एवं समास, उपसर्ग एवं प्रत्यय, विकारी शब्द, काल एवं कारक, लिंग एवं वचन, अविकारी शब्द, वाच्य, वाक्य परिवर्तन, अशुद्धि संशोधन और विराम-चिह्न, पदबंध, अलंकार, भारतीय साहित्य एवं संस्कृति।  
**खंड-2:** अपठित गद्यांश, अपठित पद्यांश, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ।  
**खंड-3:** उच्चतर क्रम सोच कौशल आधारित प्रश्न- खंड 1 और 2 के पाठ्यक्रम के अनुसार

**शब्द और व्याकरण बोध**

- “सागर-सा गंभीर हृदय हो, गिरी-सा ऊँचा हो जिसका मन।”  
उपरोक्त पंक्ति में \_\_\_\_\_ अलंकार है।  
(क) रूपक  
(ख) उपमा  
(ग) श्लेष  
(घ) यमक
- मोहन से रामायण पढ़ी जाती है।  
(दिए गए वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।)  
(क) मोहन के द्वारा रामायण पढ़ी गई।  
(ख) मोहन से रामायण पढ़ी जा रही है।  
(ग) मोहन से रामायण पढ़ी गई।  
(घ) मोहन रामायण पढ़ता है।
- हस्तिनापुर के राजा पांडु की दो रानियाँ थीं।  
(दिए गए वाक्य के रेखांकित वाक्यांश में कौन-सा पदबंध है?)  
(क) क्रियाविशेषण पदबंध  
(ख) सर्वनाम पदबंध  
(ग) विशेषण पदबंध  
(घ) संज्ञा पदबंध
- ‘ओजस्वी’ शब्द का उचित स्त्रीलिंग है—  
(क) ओजस्विनी  
(ख) ओजस्विनि  
(ग) ओजस्वीनी  
(घ) ओजस्विता
- नवरोज \_\_\_\_\_ धर्म के लोगों का प्रमुख त्योहार है।  
(क) सिक्ख  
(ख) पारसी  
(ग) ईसाई  
(घ) मुस्लिम
- निम्नलिखित वाक्यों में से सही विराम-चिह्न युक्त वाक्य का चयन कीजिए—  
(क) अरे, तुम इतनी जल्दी उठ गए।  
(ख) अरे? तुम इतनी जल्दी उठ गए।  
(ग) अरे: तुम इतनी जल्दी उठ गए।  
(घ) अरे! तुम इतनी जल्दी उठ गए।

**रचनात्मक बोध**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 7 और 8 के उत्तर दीजिए—  
छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,  
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए।  
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है,  
मरता है जो, एक बार ही मरता है।  
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे,  
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे।

स्वातंत्र्य जाति की लगन, व्यक्ति की धुन है,  
बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है।  
नत हुए बिना जो, अशनि-घात सहती है,  
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है।  
वीरत्व छोड़ मत पर का चरण गहो रे,  
जो पड़े आन खुद ही सब आग सहो रे।

- ‘यमराज दो बार कंठ नहीं धरता है।’ इस पंक्ति का अर्थ है—  
(क) यमराज दो कंठ धारण नहीं करता है।

- (ख) यमराज दो बार गला पकड़ता है।  
 (ग) यमराज एक बार ही प्राण हरता है अर्थात् मनुष्य की मृत्यु एक बार ही होती है।  
 (घ) यमराज को मृत्यु का देवता कहा जाता है।

8. 'वीरत्व' कौन-सी संज्ञा है?  
 (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा  
 (ख) जातिवाचक संज्ञा  
 (ग) भाववाचक संज्ञा  
 (घ) द्रव्यवाचक संज्ञा

### मेधावी खंड

9. निम्नलिखित वर्णों को उनके उच्चारण स्थान के आधार पर सुमेलित कर उचित विकल्प का चयन कीजिए—  
 (अ) च, छ (i) ओष्ठ्य  
 (ब) क, ख (ii) तालव्य  
 (स) प, फ (iii) कंठ्य  
 (द) न, म (iv) नासिक्य  
 (क) अ-(iv), ब-(iii), स-(ii), द-(i)  
 (ख) अ-(ii), ब-(i), स-(iii), द-(iv)  
 (ग) अ-(i), ब-(ii), स-(iii), द-(iv)  
 (घ) अ-(ii), ब-(iii), स-(i), द-(iv)

10. पर्यायवाची शब्दों के मिलान के उचित विकल्प का चयन कीजिए—  
 (अ) भागीरथी (i) सुधा  
 (ब) चाँदनी (ii) गंगा  
 (स) हनुमान (iii) कौमुदी  
 (द) अमृत (iv) पवनसुत  
 (क) अ-(iii), ब-(iv), स-(i), द-(ii)  
 (ख) अ-(ii), ब-(i), स-(iv), द-(iii)  
 (ग) अ-(ii), ब-(iii), स-(iv), द-(i)  
 (घ) अ-(i), ब-(iii), स-(ii), द-(iv)

SPACE FOR ROUGH WORK

### ANSWERS

IHO - 1. (ख) 2. (घ) 3. (घ) 4. (क) 5. (ख) 6. (घ) 7. (ग) 8. (ग) 9. (घ) 10. (ग)